हमारा महानगर
A Trustworthy Friend
7-8 Pandurang Building, 178 L.J. Road, Mahim, Mumbai-400 016 Phone 4449072/78/81

20.7.04

प्रति : पुलिस कमिश्नर
मुंबई

विषय : उर्दू टाइम्स के कारण जान को खतरा

श्रीमान महोदय,

मैं साजिद रशीद महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी का पिछले चार वर्षों से कार्याध्यक्ष हूं. उर्दू अकादमी की ओर से 12 और 13 जून को उर्दू के महान दिवंगत लेखक कृशन चंद्र की 27वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में एक साहित्यक सेमीनार मुंबई के अकबर पीर भाई हाल में आयोजित किया गया था जिस में डेढ़ सौ ~~[illegible]~~ लेखक शरीक हुए थे जिन में से पचास लेखक पूरे देश से आए थे. इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उर्दू के प्राध्यापक डॉ. अली अहमद फातमी ने कृशन चंद्र की कहानियों पर पेपर पढ़ते हुए कहा कि 'कृशन चंद्र पर गरीबों और मज़दूरों के पक्ष में प्रोपेगंडा करने का आरोप लगाया जाता है. प्रोपेगंडा कोई बुरी चीज़ नहीं है दुनिया का हर फलसफा एक प्रोपेगंडा है तमाम मजहबी किताबें प्रोपेगंडा हैं कुरान भी अपने नज़रिये का प्रोपेगंडा करता है.' डॉ. फातमी को लेखिका डॉ रफिया शबनम आबदी ने बीच में टोक दिया कि वह अपने शब्द वापस लें तब कार्याध्यक्ष की हैसियत से मैं ने उठ कर उन से कहा कि 'वह डॉ फातमी को अपनी बात पूरी करने दें, सब को अपनी बात रखने का पूरा हक है आप का यह व्यवहार बजरंगदली नज़र आता है.' इसके बाद डॉ फातमी ने स्पष्ट किया कि उन्हों ने प्रोपेगंडा शब्द नकारात्मक ढंग से नहीं इस्तेमाल किया है बल्कि अंग्रेजी शब्द प्रोपेगेशन से यह शब्द लिया है जिसका अर्थ तबलीग़ (प्रचार प्रसार) होता है. डॉ. फातमी ने यह भी कहा कि अगर आप को मेरी बात बुरी लगी

① RPA
20/7/04

Rec
Commissioner of Police
(L. & O.), Brihan-Mumbai

हमारा महानगर
A Trustworthy Friend
7-8 Pandurang Building, 178 L.J. Road, Mahim, Mumbai-400 016 Phone 4449072/78/81

है तो मैं माफी चाहता हूं. फातमी के इस स्पष्टिकरण के बाद डॉ. आज़मी ने भी संतुष्टि ज़ाहिर की और यह बहस वहीं पर खत्म होगई. (इस घटना पर डॉ. फातमी ने मुझे आप के नाम जो पत्र फैक्स से भेजा है वह संलग्न है. इस के अतिरिक्त 'महाराष्ट्र उर्दू राइटर्स गिल्ड' ने भी जो पत्र लिखा है वह भी संलग्न है राइटर्स गिल्ड के लेखक 12 और 13 जून को सेमिनार में मौजूद थे.)

12 जून की घटना के ठीक एक महीने बाद 'उर्दू टाइम्स' ने फ्रंट पेज पर मेरे और डॉ फातमी द्वारा 'कुरआन का अपमान' करने वाली खबर मुसलमानों को ललकारते हुए प्रकाशित की है कि वे कुरआन के अपमान पर चुप क्यों हैं! तब से 'उर्दू टाइम्स' मेरे खिलाफ मुसलमानों को उत्तेजित करने की कोशिश में लगा हुआ है. मुझे 'इसलाम का दुश्मन' बार बार लिख कर मेरी जान और माल और सामाजिक सुरक्षा को खतरे में डाला जा रहा है. आप को मैं सूचित करना चाहता हूं कि कुरआन का अपमान करने वाले ~~का~~ की सजा मौत है और कत्ल करने वाले का इनाम स्वर्ग है! (उर्दू टाइम्स की क्लिपिंग संलग्न है)

मैं यह बताना भी ज़रूरी समझता हूं कि उर्दू टाइम्स मेरे खिलाफ नफरत फैलाने की मुहिम इस लिए भी चला रहा है कि मैं 'मुस्लिमस फोर सेक्युलर डेमोक्रेसी' का उपाध्यक्ष हूं. जावेद अख्तर साहब उस के अध्यक्ष हैं हमारा संगठन धर्मांधता सांप्रदायिकता और 'तीन तलाक़' के कानून का विरोध करता है. 2 अक्टोबर 2003 में हमारा यह संगठन कायम हुआ है, तब से 'उर्दू टाइम्स' हमारे संगठन के तमाम पदाधिकारियों

हमारा महानगर
A Trustworthy Friend
7-8 Pandurang Building, 178 L.J. Road, Mahim, Mumbai-400 016 Phone 4449072/78/81.

को इस्लाम का शत्रु और नास्तिक लिख रहा है. जावेद अख्तर साहब के खिलाफ अश्लील लेख और बयान छापे जा रहे हैं. जावेद अख्तर साहब के खिलाफ घृणित प्रचार की एक खबर मराठी और हिंदी 'महानगर' में 13 जुलाई को मुख्य पृष्ठ पर प्रकाशित हुई थी. उसके बाद से उर्दू टाइम्स ने मुझे भी निशाना बना लिया है क्यों कि मेरी दो हैसियत है एक तो महाराष्ट्र उर्दू अकादमी के कार्याध्यक्ष की तो दूसरी दैनिक 'महानगर' (हिंदी) के संपादक की. यहां यह बताना भी आवश्यक हो जाता है कि 'उर्दू अकादमी' का मैं जब से कार्याध्यक्ष बनाया गया हूं 'उर्दू टाइम्स' मेरे खिलाफ मुहिम चला रहा है. इस अखबार के मालिक सईद अहमद ने कई बार तत्कालीन मुख्य मंत्री श्री विलास राव देशमुख से मिल कर मुझे उर्दू अकादमी से हटाने की कोशिश की है. यह एक सांप्रदायिक मानसिकता का व्यक्ति है इसके अखबार का चरित्र भी वैसा ही है. इसकी अपनी अपराधिक गतिविधियां हैं जिन के चलते मैं ने स्वयं 'उर्दू टाइम्स' की नौकरी छोडी थी. अगर मुझे सुरक्षा की गारंटी दी जाए तो मैं सईद अहमद की उन गतिविधियों की जानकारी भी दे सकता हूं.

मैं आप की जानकारी में फिर यह बात लाना चाहता हूं कि 'उर्दू टाइम्स' और सईद अहमद के कारण मेरी जान अब सुरक्षित नहीं है. अगर संदिग्ध परिस्थितियों में मेरी मौत हो या मुझ पर कोई आक्रमण हो या मेरे साथ कोई दुर्घटना हो तो उस के लिए उर्दू टाइम्स और सईद अहमद ही जिम्मेदार होंगे. आशा है आप तथ्यों की जांच कर के कार्रवाई करेंगे

आभारी / साजिद रशीद
20.7.04 (संपादक)

Enclosed
1- डॉ कासमी का पत्र
2- उर्दू टाइम्स के तीन लेख
3- 'महानगर' की कॉपी